



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

(असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बौरवार, 9 दिसम्बर, 1993/18 अग्रहायण, 1915

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्मिक (सतर्कता) विभाग

अधिसूचना

शिमला-2, 27 नवम्बर, 1993

संख्या पर(विज)बी (3) 2/89-I.—भारत के राष्ट्रपति, भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से, लोकायुक्त कार्यालय, हिमाचल प्रदेश में अवर सचिव (वर्ग-I, राजपत्रित) के पद के लिए इस अधिसूचना के साथ संलग्न उपाबन्ध 'I' के अनुसार भर्ती और प्रोन्नति नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश लोकायुक्त कार्यालय अवर सचिव (वर्ग-I, राजपत्रित सेवा) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 1993 है।

(2) ये नियम राजपत्र, हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किए जाने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

उपाबन्ध-I'

लोकायुक्त, हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में अवर सचिव (श्रेणी-1) पद के भर्ती एवं पदोन्नति नियम

1. पद का नाम अवर सचिव
2. पदों की संख्या 1 (एक)
3. वर्गीकरण वर्ग-1 (राजपत्रित)
4. वेतनमान रुपये 3000-100-4000-125-4500 जमा 400 रुपये प्रतिमास विशेष वेतन ।
5. चयन पद अथवा अचयन पद चयन पद
6. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु । लागू नहीं ।
7. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित न्यूनतम शैक्षिक और अन्य अर्हताएं । लागू नहीं ।
8. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं, प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं । लागू नहीं ।
9. परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो । दो वर्ष, जिसकी एक वर्ष में अधिक ऐसी और अवधि के लिए विस्तार किया जा सकेगा जैसा सक्षम प्राधिकारी विशेष परिस्थितियों और लिखित कारण से आदेश दें ।
10. भर्ती पद्धति.—भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नत या प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण द्वारा और विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता । शत-प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा ।
11. प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण की दशा में श्रेणियाँ, जिनसे प्रोन्नति, प्रतिनियुक्ति या स्थानान्तरण किया जाएगा । (1) पदोन्नति द्वारा उन अनुभाग अधिकारियों और रीडर में से जिनकी नियमित सेवा अवधि नियमित तदर्थ सेवा सहित सामूहिक रूप से (31-3-1991 तक की गई) पांच वर्ष का नियमित सेवा काल ग्रेड में हों ।

(2) पदोन्नति के लिए पात्र अधिक को एक सामूहिक वरिष्ठता सूची इसकी सेवा अवधि के आधार पर बिना उनकी पारस्परिक वरिष्ठता को परिचालित तैयार की जाएगी ।

(3) उपरोक्त स्तम्भ-II के खण्ड-I में किसी बात के होते हुए भी पूर्व प्रतिनियुक्ति पर लिए गए पदधारियों को लोकायुक्त हिमाचल प्रदेश के कार्यालय में आमलित होंगे

का विकल्प दिया जाएगा परन्तु यदि वे स्तम्भ II (1) में दर्शाई गई पात्रता की शर्तों को पूर्ण करते हों और जो पदाधारी आमेसन का विकल्प देगे उनसे उपरोक्त पदों का प्रारम्भिक काठर बनेगा और तदोपरान्त खण्ड (I) यथा उपबन्धित प्रोन्नति रीति अपनाई जाएगी।

प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए सभी पात्र अधिकारियों को उनके अपने-अपने ग्रेड में सेवाकाल के आधार पर संयुक्त वरिष्ठता सूची, परस्पर वरिष्ठता में बदल किए बिना तैयार की जाएगी।

टिप्पणी-1. —प्रोन्नति के सभी मामलों में पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व सम्मरण पद में 31-3-91 तक की गई तदर्थ सेवा, यदि कोई हो, प्रोन्नति के लिए इन नियमों में यथा विहित सेवाकाल के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन रखते हुए गणना में ली जाएगी।

(क) उन सभी मामलों में जिनमें कोई कनिष्ठ व्यक्ति सम्मरण पद में अपने कुल सेवाकाल (31-3-91 तक की गई तदर्थ सेवा को शामिल करके) के आधार पर उपयुक्त निर्दिष्ट उपबन्धों के कारण विचार किए जाने का पात्र हो जाता है, वहां उसे वरिष्ठ सभी व्यक्ति विचार किए जाने के पात्र समझे जाएंगे और विचार करते समय कनिष्ठ व्यक्ति से ऊपर रखे जाएंगे :

परन्तु उन सभी पदाधिकारियों को जिन पर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाता है, कम से कम तीन वर्ष की न्यूनतम अर्हता सेवा या पद के भर्ती एवं प्रोन्नति नियमों में विहित सेवा, जो भी कम हो होगी :

परन्तु यह और कि जहां कोई व्यक्ति पूर्वगामी परन्तुक की अपेक्षाओं के कारण प्रोन्नति किए जाने सम्बन्धी विचार के लिए अपात्र हो जाता है, वहां उससे कनिष्ठ व्यक्ति भी ऐसी प्रोन्नति के विचार के लिए अपात्र समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण. —अन्तिम परन्तुक के अन्तर्गत कनिष्ठ पदधारी प्रोन्नति के लिए अपात्र नहीं समझा जाएगा यदि वरिष्ठ अपात्र व्यक्ति भूतपूर्व सैनिक है, जिसे डिमोबिलाइज आर्मंड फोरसिज परसोनल (रिजर्वेशन आफ वकेन्सीज इन हिमाचल स्टेट नान टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1972 के नियम-3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इसके अन्तर्गत वरियता लाभ दिए गए हो या जिसे ऐक्स-सर्विस मैन (रिजर्वेशन आफ वकेन्सीज इन दो हिमाचल प्रदेश टैक्नीकल सर्विसिज) रूलज, 1985 के नियम-3 के प्रावधानों के अन्तर्गत भर्ती किया गया हो व इस के अन्तर्गत वरियता लाभ दिए गए हों।

(ख) इसी प्रकार स्थायीकरण के सभी मामलों में ऐसे पद पर नियमित नियुक्ति से पूर्व 31-3-91 तक की गई तदर्थ सेवा यदि कोई हो, सेवाकाल के लिए गणना में ली जाएगी :

परन्तु 31-3-91 तक तदर्थ सेवा की गणना में लेने के पश्चात् जो स्थायीकरण होगा उसके फलस्वरूप पारस्परिक वरीयता अपरिवर्तित रहेगी ।

टिप्पणी-2.—जब कभी नियम 2 के अधीन पदों की बढ़ोतरी होती है तो स्तम्भ 10 और 11 के उपबन्ध सरकार द्वारा लोक सेवा आयोग के परामर्श से पुनरीक्षित किये जाएंगे ।

12. यदि विभागीय प्रोन्नति संपत्ति विद्यमान हो तो उसकी संरचना ।

इसकी अध्यक्षता, हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष द्वारा या उसके द्वारा नाम निर्दिष्ट सदस्य द्वारा की जाएगी ।

13. भर्ती करने में जिन परिस्थितियों में हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग स परामर्श किया जाए ।

जैसा कि विधि द्वारा अपेक्षित है ।

14. सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षा ।

लागू नहीं ।

15. सीधी भर्ती द्वारा पद पर नियुक्ति के लिए चयन ।

लागू नहीं ।

16. आरक्षण

उक्त सेवा में नियुक्ति हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जन जातियों/पिछड़े वर्गों और अन्य वर्गों के व्यक्तियों के लिए आरक्षण के बावत जारी किए गए आदेशों के अधीन होंगे ।

17. विभागीय परीक्षा

(I) सेवा में प्रत्येक सदस्य की समय-समय पर यथा संशोधित विभागीय परीक्षा नियम, 1976 में यथा विहित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी अन्यथा वह निम्नलिखित के लिए पात्र नहीं होगा ।

(1) आगामी देय दक्षनारोघ पार करने के लिए;

(2) परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात् स्थायीकरण के लिए; और

(3) अगले उच्चतर पद पर प्रोन्नति के लिए :

परन्तु उस अधिकारी से जिनने इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व, किन्हीं नियमों के अधीन पूर्णतः या अंशतः विभागीय परीक्षा पास की है, यथास्थिति पूर्णतः या अंशतः परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसे अधिकारी से जिनके लिए नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च, 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, उससे इन नियमों के अधीन विहित विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी :

परन्तु यह और भी कि ऐसे अधिकारी से जिनके लिए इन नियमों के अधिसूचित किए जाने से पूर्व कोई विभागीय परीक्षा विहित नहीं की गई थी और जिसने 1 मार्च 1976 को 45 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं की थी उससे 50 वर्ष की आयु के पश्चात् निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी:—

(i) आगामी देय दक्षतारोह पार करने के लिए, और

(ii) परिवीक्षा अवधि पूर्ण होने के पश्चात् स्थाईकरण के लिए ।

2. किसी अधिकारी से अपनी प्रोन्नति की सीधी पक्ति में उच्चतर पद पर प्रोन्नति या विभागीय परीक्षा पास करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, यदि उसने निम्नतर राजपत्रित पद पर ऐसी परीक्षा पहले ही पास कर ली है ।

4.2

3. सरकार हिमाचल प्रदेश लोक सेवा आयोग के परामर्श से असाधारण परिस्थितियों में और कारणों को समितिलिखित करके, विभागीय परीक्षा नियमों के अनुसार किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को विभागीय परीक्षा में परीक्षित या भाग लेने से छूट मंजूर कर सकेगी परन्तु वह तब तक जबकि ऐसे अधिकारी उसकी अधिवर्षिका की आयु प्राप्त करने की तारीख से पूर्व किन्हीं अन्य उच्चतर प्रोन्नति के लिए विचार किया जाना सम्भाव्य नहीं हो ।

18. शिथिल करने की शक्ति

जहां राज्य सरकार को यह राय हो कि ऐसा करना आवश्यक है या समीचीन है, वहां यह कारणों को अविलिखित करके और लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा इन नियमों के किन्हीं उपबन्धों को किसी वर्ग या व्यक्तियों के प्रवर्ग या पदों की बावत शिथिल कर सकेगी ।

आदेश द्वारा,
हस्ताक्षरित/-

वित्तायुक्त एवं सचिव (सतर्कता) ।

[Authoritative English Text of this Department Notification No. Per. (Vig.) B (3)-2/89-I, dated 27-11-1993 as per required under Clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

PERSONNEL VIGILANCE DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-171002, the 27th November, 1993

No. Per. (Vig.)B(3)-2/89-I.—In exercise of the powers conferred by proviso to Article 309 of the Constitution of India, the President of India, in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, is pleased to make the Recruitment and Promotion Rules for the post of Under Secretary (Class-I, Gazetted) in the Office of Lokayukta, Himachal Pradesh as per Annexure-'I' attached to this notification, namely:—

1. *Short title and commencement.*—(1) These rules may be called the office of Lokayukta, Himachal Pradesh (Class-I, Gazetted) Under Secretary, Recruitment and Promotion Rules' 1993.

(2) These Rules shall come into force from the date of publication in the Rajpatra, Himachal Pradesh.

ANNEXURE-'I'

RECRUITMENT AND PROMOTION RULES FOR THE POST OF UNDER SECRETARY (CLASS-I) IN THE OFFICE OF LOKAYUKTA, HIMACHAL PRADESH

- | | |
|--|---|
| 1. Name of the post | Under Secretary |
| 2. Number of post | (1) One |
| 3. Classification | Class-I (Gazetted) |
| 4. Scale of pay | Rs. 3000-100-4000-125-4500+Rs. 400/-
Special Pay p.m. |
| 5. Whether Selection post or Non-selection post. | Selection. |
| 6. Age for direct recruitment. | Not applicable. |
| 7. Minimum educational and other qualifications required for direct recruits. | Not Applicable. |
| 8. Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees. | Not applicable. |
| 9. Period of probation, if any | Two years subject to such further extension for a period of not exceeding one year as may be ordered by the competent authority in special circumstances and reasons to be recorded in writing. |

10. Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion, deputation, transfer and the percentage of vacancies to be filled in by various methods.

100% by promotion.

11. In case of recruitment by promotion, deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer is to be made.

“(1) By promotion from amongst the Section Officer and Reader possessing 5 years regular service or regular combined with continuous *ad hoc* (rendered upto 31-3-1991) service, if any, in the grade.

For the purpose of promotion, a joint seniority list of all the eligible officers will be prepared, based on length of service without disturbing their *inter-se-seniority* in the respective grade post.

(2) Notwithstanding anything contained in Clause (1) of Col. 11 *supra*, the incumbent already taken on deputation shall be given option for absorption in the office of Lokayuta, Himachal Pradesh, provided that they may fulfil requisite eligibility condition as in Para(1) of column No. 11 and the incumbent who opts for absorption shall form the initial cadre of the above post and thereafter the method of promotion shall be resorted to as provided in Clause (1) above.”

Note 1.—In all cases of promotion, the *ad hoc* service rendered in the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to regular appointment to the post shall be taken into account towards the length of service as prescribed in these rules for promotion subject to the conditions:—

(a) that in all cases where a junior person becomes eligible for consideration by virtue of his total length of service (including the service rendered on *ad hoc* basis upto 31-3-1991) in the feeder post in view of the provisions referred to above, all persons senior to him in the respective category/post/cadre shall be deemed to be eligible for consideration and placed above the junior person in the field of consideration:

Provided that all incumbents to be considered for promotion shall possess the minimum qualifying service of at least three years or that prescribed in the Recruitment and Promotion Rules for the post, whichever is less:

Provided further that where a person becomes ineligible to be considered for promotion on account of the requirements of preceding proviso, the person(s) junior to him shall also be deemed to be ineligible for consideration for such promotion.

Explanation.—The last proviso shall not render the junior incumbents ineligible for consideration for promotion if the senior ineligible person(s) happened to be *ex-servicemen* recruited under the provisions of Rule-3 of Demobilised Armed Forces Personnel (Reservation of Vacancies in Himachal State Non-Technical Services) Rules, 1972 and having been given the benefit of seniority thereunder or recruited under the provision of Rule-3 of *Ex-serviceman* (Reservation of Vacancies in the Himachal Pradesh Technical Services) Rules, 1985 and having been given the benefit of seniority thereunder.

- (b) Similarly, in all cases of confirmation, *ad hoc* services rendered on the feeder post upto 31-3-1991, if any, prior to the regular appointment against such post shall be taken into account towards the length of service :

Provided that the *inter-se-seniority* as a result of confirmation after taking into account *ad hoc* service rendered upto 31-3-1991, shall remain unchanged.

Note 2.—Provisions of Cols. 10 and 11 are to be revised by the Government in consultation with the Commission, as and when the number of posts under Rule 2 are increased.

12. If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition.

To be presided by the Chairman, Himachal Pradesh Public Service Commission or a Member thereto, to be nominated by him.

13. Circumstances under which the Himachal Pradesh Public Service Commission is to be consulted in making recruitment.

As required under the Law.

14. Essential requirement for a direct recruitment.

Not applicable.

15. Selection for appointment to the post by direct Recruitment.

Not applicable.

16. Reservation

The appointment to the service shall be subject to orders regarding reservation in the service for Scheduled Castes/Scheduled Tribes/Backward Classes/Other categories of persons issued by the Himachal Pradesh Government from time to time.

17. Departmental Examination.

(1) Every member of the service shall pass a Departmental Examination as prescribed in the Departmental Examination Rules, 1976 as amended from time to time, failing which he shall not be eligible to:

- (i) Cross the efficiency bar next due,
- (ii) Confirmation in the service even after completion of probationary period, and
- (iii) Promotion to the next higher post:

Provided that an officer who has qualified the Departmental Examination in whole or in part prescribed under any Rules before the notification of these Rules shall not be required to qualify the whole or in part, of the examination as the case may be:

Provided further that an officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the notification of these Rules and who has attained the age of 45 years on the 1st March, 1976 shall not be required to qualify the Departmental Examination prescribed under these Rules:

Provided further that an officer for whom no Departmental Examination was prescribed prior to the notification of the Rules and who had not attained the age of 45 years on 1-3-1976 shall not be required to qualify the Departmental Examination prescribed under these Rules after attaining the age of 50 years for the purpose of (i) Cross of Efficiency Bar next due and (ii) Confirmation in the service after completion of probationary period.

(2) An Officer on promotion to higher post in his direct line of promotion shall not be required to pass the aforesaid examination if he has already passed the same in the lower gazetted post.

(3) The Government may in consultation with the Himachal Pradesh Public Service

Commission, grant in exceptional circumstances and for reasons to be recorded in writing, exemption in accordance with the Departmental Examination Rules to any Class or category of persons from the Departmental Examination in whole or in part provided that such Officer is not likely to be considered for any other higher promotion before the date of his superannuation.

18. Power to relax

Where the State Government is of the opinion that it is necessary or expedient to do so, it may by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Himachal Pradesh Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

By order,

Sd/-

Financial Commissioner-cum-Secretary (Vigilance).